Q(1) बौद्ध धर्म

Ans→

Q(2) हरिहर, बुक्का के नेतृत्व में

Ans→

Q(3) कनिष्क

Q(4) झेलम नदी

Q(5) चतुर्थ बौद्ध संगति

Q(6) बौद्ध धर्म

aglasem.com

AglaSem Schools

Q(7)
Ans 26 अगस्त, 1303 ई. में।

Q(8)
Ans कुम्भलगढ़ दुर्ग (9 मई 1540 ई.)

Q(9) राव चन्द्रसेन ने अपनी मातृभूमि रक्षा हेतु जो शुरुआत की थी। उसका महाराणाप्रताप ने अनुसरण किया था ① उसने अकबर की अधीनता अस्वीकार की थी

(10) ~~तुर्कों~~ मुगल शासकों पर विजय प्राप्त करने के कारण।

Q(11) तत्कालीन राजप्रबन्धन की बात की गई,
तत्कालीन अर्थव्यवस्था की बात की गई थी
धार्मिक जीवन की बात की गई थी।
आदि सभी बातें चाणक्य के अर्थशास्त्र की मुख्य विषय वस्तु है।

aglasem.com
AglaSem Schools

Q(25)

राजा राममोहनराय का जन्म 1774 ई. में बंगाल के राधा नगर नामक गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इन्होंने हिन्दू, इस्लाम, आदि धर्मों एवं इनके महत्वपूर्ण ग्रंथों का अध्ययन किया। वे अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, ग्रीक, हिब्रू आदि अनेक भाषाओं के जानकार थे। इन्होंने ईस्ट इंडिया कम्पनी की नौकरी की परंतु कुछ समय बाद इन्होंने त्याग पत्र दे दिया। 1815 में इन्होंने कलकत्ता में आत्मीय समाज की स्थापना की।

सामाजिक सुधार → राजाराममोहन, एवं इनके ब्रह्मा समाज ने भारतीय समाज में कालान्तर समा में आई अनेक कुरीतियों का विरोध किया। इन्होंने प्राचीन धार्मिक ग्रंथों के आधार पर यह प्रमाणित करने का प्रयास किया। में कई सामाजिक रूढ़ियां मौलिक हिंदू धर्म के विरुद्ध हैं इन्होंने जाति प्रथा, अस्पृश्यता, सती प्रथा, बाल-विवाह, बहु विवाह, पर्दा प्रथा आदि का विरोध किया। इन्होंने सती प्रथा जैसी अमानवीय कुप्रथा को समाप्त करने के लिए आंदोलन चलाया। इन्होंने मौलिक हिन्दू धार्मिक ग्रंथों के आधार पर यह प्रमाणित करने का प्रयास किया। राजा राम मोहनराय के प्रयासों से प्रेरित होकर ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम

बेन्टिक ने ~~कानून~~ 1829 ई. में कानून बनाकर सती प्रथा को अवैध घोषित कर दिया।

(2) राजा राममोहन राय ने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया। उन्होंने बाल-विवाह का विरोध किया। तथा अन्तर्जातीय विवाह का समर्थन किया उन्होंने स्त्री शिक्षा पर बल दिया। इसका समाज ने बालिका विद्यालय की नींव रखी।

(3) (i) धार्मिक सुधार → राजा राममोहन राय ने ऐकेश्वरवाद का उपदेश दिया। उन्होंने वेद, उपनिषद, आदि के माध्यम से इस बात को प्रमाणित करने का प्रयास किया कि वेद हिन्दु धर्म के मौलिक ग्रंथों में एक है। इसका वर्णन है। इसका विश्वास था कि वेदान्त दर्शन ही तर्क शास्त्र पर आधारित है।

(2) राजाराम मोहनराय ने हिन्दू धर्म में व्याप्त अंधविश्वासों की भी आलोचना की

(3) राजाराम मोहनराय विश्व के सभी मतपंथों की मौलिक एकता में विश्वास करते थे।

(4) राजाराम मोहनराय हिंदु धर्म की कुरीतियों को दूर करके इसे शुद्धशील बनाना चाहते थे।

(5) राजाराम मोहनराय धार्मिक, सहिष्णुता के प्रबल समर्थक थे। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे।

AglaSem Schools

(3) (i) राजाराम मोहनराय ने भारतीयों में चेतना उत्पन्न करने में योगदान दिया। राजनीतिक विषयों पर जन आंदोलन शुरू करने का श्रेय राजा राममोहन राय को है।
(ii) उन्होंने विभिन्न सेवाओं में भारतीय करण, न्याय पालिका का न्याय पालिका से पृथक्करण जूरी द्वारा न्याय प्रदान करना।

(4) शिक्षा व साहित्य क्षेत्र →
(i) राजाराम मोहनराय पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली एवं अंग्रेजी शिक्षा के समर्थक थे। उन्होंने हिंदू कॉलेज, वेदान्त कॉलेज तथा एंग्लो-स्कूल की स्थापना की।

Q(20) मुहम्मद ने धर्म के प्रतिपादन के लिए →
(1) विभिन्न विचारों, धर्मों एवं आस्थाओं के बीच सहिष्णुता
(2) सभी प्राणियों के प्रति मैत्री का सिद्धान्त प्रतिपादित किया।
(3) आडम्बरों, धर्मानुष्ठानों तथा बलि चढ़ाने की प्रथा की निन्दा की।
(4) लोक कल्याण पर बल दिया, दुराचरण, ऊँच, नीच, छुआछूत आदि के कारणों पर बल दिया।
(5) श्रेष्ठ नैतिक, पवित्र आचरण सदाचरण एवं सत्यवादिता पर बल दिया।

AglaSem Schools

Q(17) बंगाल का विभाजन ~~1906~~ 1905 ई में लार्ड कर्जन के समय हुआ।

Q(18) चिकित्सा विज्ञान → चरकसंहिता में एक शिक्षक को पैर की टूटी हुई को जोड़ने का प्रयास करते हुए बताया गया है। चरक, सुश्रुत व धन्वन्तरि चिकित्सा क्षेत्र के प्रमुख विद्वान थे। चरक संहिता में चिकित्सा पद्धति का विशद वर्णन है। आयुर्वेद के त्रिदोष, त्रिगुण व पंच भौतिक तत्व व उसका पुरुष प्रकृति सम्बन्ध, सांख्य दर्शन का सप्त धातु सिद्धांत आज भी चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख व उपयोगी है। आचार्य सुश्रुत ने चिकित्सा के शल्य चिकित्सा आदि अंग व अंगी का वर्णन किया।

Q(12)
(1) घरों के पानी का निकास नालियों द्वारा होता था।
(2) नालियों के बीच चैम्बर बने होते थे।

Q(13) प्रयाग व कन्नौज में धार्मिक सभायें आयोजित की थी। इन सभाओं में सभी विभिन्न धर्मों के धर्मावलम्बियों को सभायें करवायी।

AglaSem Schools

Q (२५) 1857 की क्रान्ति की असफलता के दो प्रमुख कारण →

(1) कुशल एवं योग्य नेतृत्व का अभाव → 1857 की क्रान्ति को संचालित करने वालों में कुशल एवं योग्य नेतृत्व का अभाव था। मुगल सम्राट बहादुर शाह द्वितीय एक वृद्ध एवं कमजोर शासक था। नाना साहब, तात्या टोपे, झांसी की रानी, कुंवर सिंह आदि का नेतृत्व न तो सर्वोत्तम भारतीय स्तर का था। न ही उनमें परस्पर तालमेल था। क्रांतिकारियों में अनुशासन, सैनिक संगठन तथा योग्य नेतृत्व का अभाव था। उन्हें धन, रसद, तथा हथियारों की कमी का सामना भी करना पड़ा।

Q(14) यूनानी आक्रमण से पहले भारत में चाँदी के सिक्कों का प्रचलन था। उन्होंने भारत में सोने के सिक्के चलाये तथा ढलाई करवायी और उन पर राजा का नाम अंकित किया।

Q(15)
① हम अपने पड़ोसी राज्यों के साथ मित्रता करते। और संयुक्त राष्ट्र संघ के विरुद्ध एक संगठन का निर्माण करते।
② जनता पर लगाये गए कर को समाप्त करते।

Q(16) ① इसमें सभी किसानों, जनसैनानियों ने भाग लिया।
② इसमें विभिन्न भागों में लगे लीगों ने भी भाग लिया।

Q(18) भूप सिंह। बिजोलिया किसान आंदोलन का नेतृत्व किया।

AglaSem Schools

Q(28) चोल कालीन कला - चोल शासक धर्म - सहिष्णु थे। इन्होंने शैव मंदिरों के निर्माण के साथ-2 वैष्णव मंदिरों का भी निर्माण करवाया। मंदिरों ने सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक, जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

स्थापत्य कला → चोल शासक कला प्रेमी व महान निर्माता थे। इन्होंने भव्य एवं विशाल मंदिरों, राजाप्रासादों, कृत्रिम झीलों, धातु व पाषाण की मूर्तियों का निर्माण करवाया। चोल स्थापत्य की मुख्य देन मंदिर निर्माण है। इन मंदिरों का निर्माण द्रविड शैली के अनुसार हुआ।

चोल कालीन मंदिर में तिरुकट्टलाई का सुन्दरेश्वर मंदिर, नरतमलाई का ~~विद्यालय~~ विजयालय चोलेश्वर मंदिर प्रसिद्ध है।

(1) तंजौर के बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण राजराज प्रथम ने करवाया था। इस निर्माण 1003 ई — 1010 ई में हुआ। इस मंदिर का आधार भाग 160 मी. लम्बा तथा 80 मी. चौड़ा है। गर्भ गृह के ऊपर पश्चिम में बना 60 मी. ऊंचा विमान है।

(2) गंगैकोण्ड चोलपुरम का मंदिर → इस मंदिर का निर्माण ~~राजेन्द्र~~ प्रथम ने करवाया था। इस मंदिर का ~~निर्माण~~ आधार 103 मी. लम्बा

तथा 30 मी. चौड़ा है। इसका 8 मंजिला विमान लगभग 50 मी. ऊँचा है।

(3) कोरंगनाथ का मंदिर → यह मंदिर भी चोलकालीन स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस मंदिर की कुल लं. 50 फीट है। इसमें 25×25 का गर्भ गृह है तथा 25×20 का मण्डप है। गर्भ गृह के ऊपर 30 फीट ऊँचा शिखर है।

* मूर्तिकला → चोलो के शासनकाल में मूर्तिकला का पर्याप्त विकास हुआ इस काल में ब्रह्मा, विष्णु, नटराज, राजा-रानियों आदि की पाषाण व कांस्य, व मिश्र धातु की अनेक मूर्तियां बनाई गई। जो तत्कालीन मूर्तिकला के उत्कृष्ट उदा. है। इस काल में धातु मूर्तियों में नटराज, शिव की कांस्य मूर्तियां विशेष है।

चोल साहित्य → चोलो के शासन काल में तमिल साहित्य की बड़ी उन्नति हुई। इनका साहित्य काल तमिल साहित्य का स्वर्ण काल था। चोल शासक शिक्षा एवं शासन साहित्य के संरक्षक थे। तमिल को राजाश्रय प्राप्त था। कुलोतुंग तृतीय के शासन काल में कम्बन नामक कवि ने 'रामावतार' नामक ग्रन्थ की रचना की।

AglaSem Schools

Q(29) स्वदेशी आंदोलन → बंगाल विभाजन के परिणामस्वरूप भारत में स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ। बहिष्कार एवं स्वदेशी भारतीयों के लिए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध शक्तिशाली हथियार बन गए। बम्बई, मद्रास एवं अन्य भारत में स्वदेशी अपनाने, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार एवं राष्ट्रीय शिक्षा के लिए आंदोलन हुआ। स्वदेशी आंदोलन को शक्तिशाली बनाने के लिए अनेक स्वयंसेवी संगठनों एवं जन-समितियों का गठन किया गया। स्वदेशी आंदोलन के अन्तर्गत विदेशी वस्त्रों, चीनी, नमक आदि का बहिष्कार किया गया तथा विदेशी माल की दुकानों पर धरना दिया गया। विदेशी माल की दुकानों के मालिकों का बहिष्कार किया। विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई। विदेशी वस्तुओं को खरीदने वालों का सामाजिक बहिष्कार करते हुए कहा गया कि उनके साथ कोई भी खान-पान न रखे, न ही उनका कोई काम करे। लोगों को सरकारी अवैतनिक पदों से त्याग-पत्र देने एवं कौंसिलों से त्याग-पत्र देने को कहा गया। 1906 ई. तक स्वदेशी आन्दोलन शीघ्र ही देश के विभिन्न भागों में फैल गया। बम्बई प्रेसीडेन्सी में इसका नेतृत्व शीघ्र ही ~~इस~~ मुख्य रूप से बाल गंगाधर तिलक एवं एस. एम. परांजपे ने किया। पंजाब अजपाल, गंगाराम, चान्दिका दत्त एवं मुंशीराम आदि के नेतृत्व में स्वदेशी आन्दोलन का प्रसार हुआ। मद्रास प्रेसीडेन्सी में

AglaSem Schools

सुब्रह्मण्य अय्यर, पी. आनन्द चार्लू एवं टी. एम नायर आदि ने स्वदेशी आन्दोलन का नेतृत्व किया। इसमें स्वदेशी आंदोलन के अन्तर्गत सामाजिक उत्थान के कार्यों पर भी बल दिया गया। भगिनी निवेदिता ने अपनी संस्था स्वदेशी बांधव समिति द्वारा बारीसाल में गांवो के उत्थान का कार्यक्रम चलाया।

आर्य समाज → आर्य समाज की शिक्षाएं →

(1) आर्य समाज ने जाति - प्रथा तथा छुआछूत का विरोध किया।
(2) आर्य समाज ने बाल - विवाह, बहु - विवाह, पर्दा - प्रथा आदि का विरोध किया।
(3) आर्य समाज ने हिन्दु धर्म में फैलाचार में आई बुराईयों को सुधारने का प्रयास किया।
(4) आर्य समाज ने वेदों की ओर लौट चलो का नारा दिया।
(5) आर्य समाज ने शुद्धि आन्दोलन का संचालन किया।
(6) आर्य समाज ने स्वराज्य, स्वदेशी, स्वभाषा, स्वाभिमान पर बल दिया।

AglaSem Schools

Q(21)
① सुदर्शन झील की उत्पत्ति जूनागढ़ अभिलेख से मिलती है। ② रुद्रदमन के विभिन्न विजयों का अभिलेख जूनागढ़ अभिलेख से मिलता है।
③ रुद्रदमन के प्रशासन की जानकारी हमें इसी से प्राप्त होती है।
④ रुद्रदमन का व्यक्तित्व लोक कल्याणकारी था इसकी जानकारी भी प्राप्त होती है।

Q(22)
① इसमें दूरदर्शिता व कूटनीति का अभाव था।
② इसने पड़ोसी राज्यों से शत्रुता मोल ली जो आगे जाकर इसकी पराजय का कारण बनी।
③ 1178 में गुजरात के शासक नीमराव ~~मोहम्मद गोरी~~ की सहायता से उन्होंने मना किया।
④ तराईन के प्रथम युद्ध में मोहम्मद गोरी की सेना जो हारकर भाग रही थी उन्होंने उनको नहीं मारा जो कि उनकी पराजय का आगे जाकर कारण बना।
⑤ वह संयोगिता के प्रेम में ~~डूब~~ रहता था। उसने राज्य नहीं किया।

AglaSem Schools

Q. (23)

(1) बंगाल के दो धनी सेठ थे और मीर जाफर ने अंग्रेजो के साथ मिलकर एक समझौता किया। और बंगाल को ये बेच दिया।

(2) और मिर्जा पर अंग्रेजो का शासक बना तो वह एकमात्र कठपुतली शासक बना। वह अंग्रेजों के इशारे पर नाचता था।

(3) कम्पनी को 24 परगनो में बिना कर चुकाये व्यापार की सुविधा प्राप्त हुई।

(4) कम्पनी के अधिकारियों व गवर्नर जनरल को ने मीर कासिम को बहुत सारे उपहार भेंट किए।

Q. (26)

(1) उन्होंने 1906 में जैन वर्धमान पाठशाला की स्थापना की। और क्रांतिकारी लोगों को प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था की।

(2) उन्होंने बंगाल में स्वदेशी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

(3) राजपूताना क्षेत्र में जितनी भी क्रांतिकारी गतिविधियां हो रही थी उनका संचालन उन्ही के माध्यम से किया जाता।

(4) मारा हत्याकांड व दिल्ली षड्यंत्र उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

AglaSem Schools

Q(27)

(1) शिक्षा का प्रचार - प्रसार करना चाहिए।

(2) सरकारी नौकरी में आरक्षण दिये जाने का प्रमुख उद्देश्य सर्वंकता से लागू करना चाहिए।

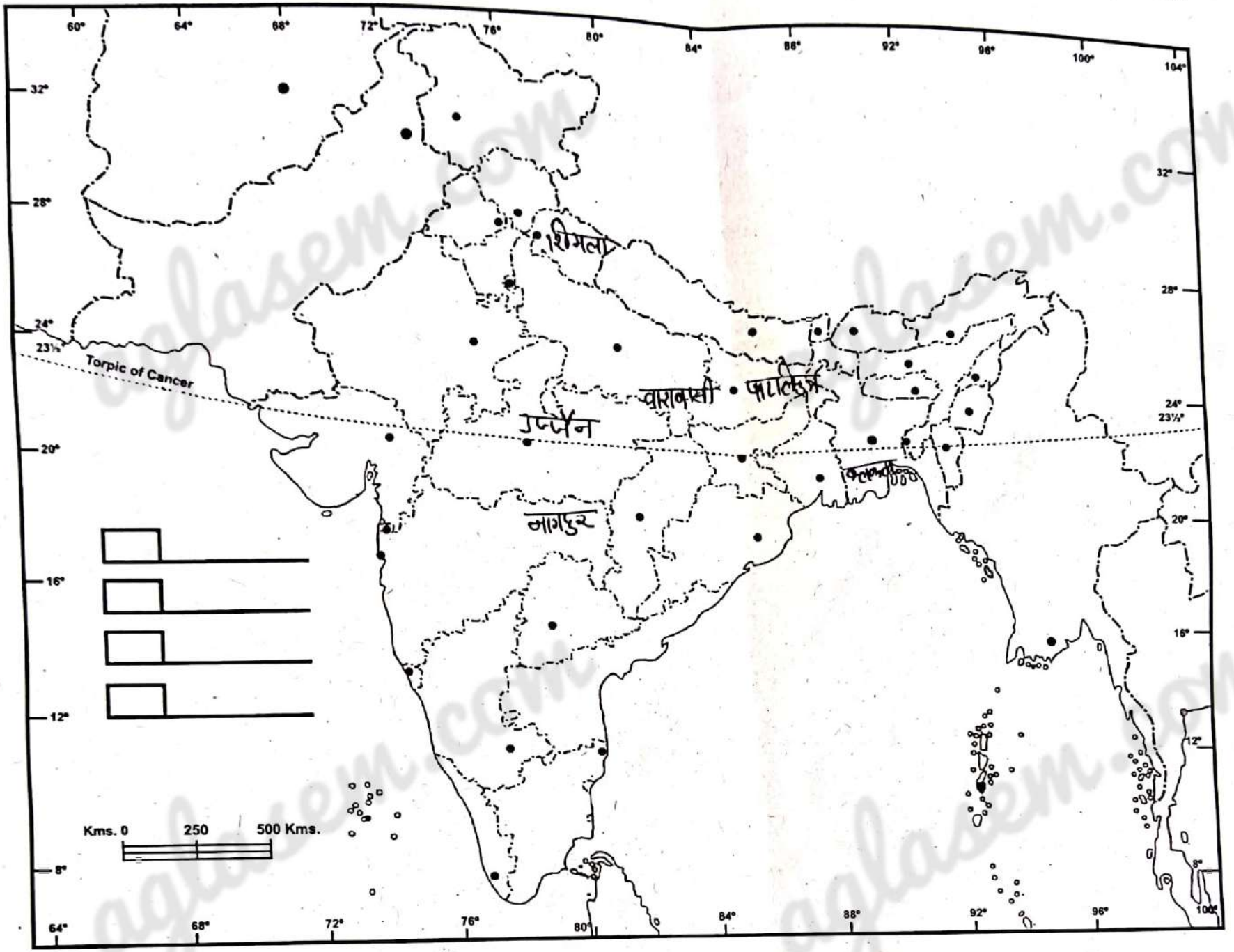
(3) आवासीय जनजातीय विद्यालयों की स्थापना की जानी चाहिए।

(4) जो स्थानान्तरित कृषि करते हैं उन्हें ~~आधुनिक~~ आधुनिक कृषि के यंत्र उपलब्ध कराने चाहिए।

AglaSem Schools

INDIA - POLITICAL AND ADJACENT COUNTRIES

भारत - राजनैतिक और पड़ोसी देश



aglasem.com

AglaSem Schools